हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वन-महोत्सव का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा आज दिनांक 20.07.2018 को गाँव शयार, ग्राम पंचायत पुजारली, शिमला की साँझा–भूमि में 69वें वन–महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ संस्थान के निदेशक, **डॉ. वी. पी, तिवारी** ने विधिवत पूजा–अर्चना कर पीपल एवं बड़ का श्रेष्ठ अनुवांशिक गुणों वाला पौधा लगा कर किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत, पुजारली की प्रधान, श्रीमती विनती शर्मा, महिला–मंडल, सरघीण की प्रधान, श्रीमति सरस्वती ठाकुर, पुजारली पंचायत के सदस्य एवं ग्रामवासी, कमांडेंट होम–गार्ड एवं उनके कार्यालय के जवान तथा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के समस्त वैज्ञानिक, अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर देवदार, बान तथा काफल के 250 पौधे लगाए गए।

उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए **डॉ. तिवारी** नें कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम में सभी जन पूरा सहयोग करें, क्योंकि हरियाली स्वस्थ जीवन एवं बेहतर पर्यावरण के लिए आवश्यक है। वन–महोत्सव के आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि वन–महोत्सव भारत सरकार द्वारा वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने के लिए प्रति–वर्ष जुलाई/ अगस्त माह में आयोजित किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण महोत्सव है जिसका सूत्रपात 1950 के दशक में पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक परिवेश के प्रति सवेदनशीलता को अभिव्यक्त करने वाले एक आन्दोलन के रूप में तत्कालीन कृषि मंत्री श्री

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने किया था। **डॉ. तिवारी** ने इस अवसर पर यह भी कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान वानिकी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत है इसलिए अनुसन्धान कार्य के साथ–साथ संस्थान का यह कर्त्तव्य भी बनता है कि लोगों के बीच पेड़ों के कटने से होने वाले नुकसान के प्रति सजगता फ़ैलाने का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर करें। हालाँकि संस्थान आम जनता को वनों के सरंक्षण एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का कार्य अपने विस्तार कार्यक्रमों के माध्यम से समय–समय पर करता रहता है परन्तु समय की मांग के अनुसार इस विषय पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर अलग–अलग स्तर पर जागरुकता अभियान भी चलाये जा सकते है। **डॉ. तिवारी** ने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम को प्रोत्साहित करने लिये संस्थान द्वारा विभिन्न संगठनों को निशुल्क पौधों का वितरण भी समय–समय पर किया जाता है।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत, पुजारली की प्रधान श्रीमती विनती शर्मा ने संस्थान द्वारा उनकी पंचायत में वन–महोत्सव मनाने तथा तथा गाँव की सांझा भूमि पर वृक्षारोपण करने के लिए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का धन्यवाद किया तथा ग्राम वासियों से कहा कि केवल मात्र पौधरोपण से ही हमारा कर्तव्य पूरा नहीं हो जाता है परन्तु रोपे गए पौधों का सरंक्षण करना भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि हम रोपित पौधों को बचाए रखने में सफल होते हैं तो न केवल गाँव के वन क्षेत्र में वृद्धि होगी जिससे वातावरण शुद्ध रहेगा बल्कि हमारे पशुओं को समय–समय पर चारा भी उपलब्ध होता रहेगा।

इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल एवं प्रभाग प्रमुख, विस्तार प्रभाग ने कहा कि वन हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखते है तथा विभिन्न तरह की प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूस्खलन, सूखा, बाढ़ आदि से बचने में हमारी सहायता करते हैं । आज के समय में बढ़ती आबादी के चलते वनों वनों पर दबाव बढ़ रहा है एवं उनका अत्यधिक दोहन हो रहा है जिसके चलते पर्यावरण दिन–प्रतिदिन प्रदूषित हो रहा है एवं आम आदमी कई तरह की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं । उन्होंने आगे कहा कि वृक्षों का हमारे जीवन में धार्मिक दृष्टि से भी बहुत महत्त्व है एवं हिमाचल प्रदेश में बहुत से वनों/ वृक्षों को देव–वनों के रूप में भी सहेजा जाता है । वन महोत्सव का आयोजन किये जाने का उद्देश्य यही है कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाये जायें क्योंकि वनाच्छादन से पर्यावरण संतुलित रहता है।

कार्यक्रम के अंत में **श्री विनोद कुमार,** सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने वन–महोत्सव के आयोजन में भाग लेने के लिए ग्राम पंचायत, पुजारली की प्रधान श्रीमती विनती शर्मा, महिला–मंडल, सरघीण की प्रधान श्रीमती सरस्वती ठाकुर, पंचायत के अन्य सदस्यों, ग्रामवासियों, होम–गार्ड कर्मियों तथा संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों का वन–महोत्सव में पूर्ण उत्साह एवं हर्षोल्लास से भाग लेने लिए धन्यवाद किया।

झलकियाँ

मीडिया कवरेज

शिमला, 20 जुलाई (हैडली) : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा शुक्रवार को गांव शयार, ग्राम पंचायत पुजारली शिमला की सांझा-भूमि में 69वें वन महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ संस्थान के निदेशक डा. वी.पी. तिवारी ने पीपल का श्रेष्ठ अनुवांशिक गुणों वाला पौधा लगाकर किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पुजारली की प्रधान विनती शर्मा, महिलामंडल सरघीण की प्रधान सरस्वती ठाकुर, पुजारली पंचायत के सदस्य एवं गांववासी, होमगार्ड कमांडेंट एवं उनके कार्यालय के जवान तथा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के समस्त वैज्ञानिक, अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर देवदार, बान तथा काफल के 250 पौधे लगाए गए।

शिमला : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित वन महोत्सव के दौरान पौधारोपण करते कर्मी। (नरेश)

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 21 July 2018
epaper.punjabkesari.in/c/30566162

श्यार में 250 पौधे रोपे

शिमला – हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा शुक्रवार को ग्राम पंचायत पुजराली के गांव श्यार में साझा भूमि में 69वें वन महोत्सव का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ संस्थान के निदेशक डा. वीपी तिवारी ने पीपल एवं बड़ का श्रेष्ठ अनुवांशिक गुणों वाला पौधा लगा कर किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पुजारली की प्रधान विनती शर्मा, महिला मंडल सरघीण की प्रधान सरस्वती ठाकुर, पुजारली पंचायत के सदस्य एवं ग्रामवासी, होमगार्ड कमांडेंट एवं उनके कार्यालय के जवान तथा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के समस्त वैज्ञानिक, अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे। उन्होंने देवदार, बान तथा काफल के 250 पौधे लगाए। उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए डा. तिवारी ने कहा कि पौधारोपण कार्यक्रम में सभी जन पूरा सहयोग करें क्योंकि हरियाली स्वस्थ जीवन एवं बेहतर पर्यावरण के लिए आवश्यक है।

दिव्य हिमाचल Sat, 21 July 2018
epaper.divyahimachal.com/c/:

HimalayanUpdate.com

पुजारली में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा 69 वां वन-महोत्सव आयोजित -"देवदार,बान व काफल के 250 पौधे लगाए"

July 20, 2018 09:13 PM

SHIMLA हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा साँझा-भूमि कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत पुजारली के श्पार गाँव में 69वें वन-महोत्सव का आयोजन किया गया। संस्थान निदेशक, **डॉ. वी. पी तिवारी** ने पीपल एवं बड़ का श्रेष्ठ अनुवांशिक गुणो वाला पौधा लगा कर वन-महोत्सव का शुभारंभ किया ।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए **डॉ. तिवारी** ने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम में सभी जन पूरा सहयोग करें, क्योंकि हरियाली स्वस्थ जीवन एवं बेहतर पर्यावरण के लिए आवश्यक है। वन-महोत्सव के आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि वन-महोत्सव भारत सरकार द्वारा वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने के लिए प्रति-वर्ष जुलाई/ अगस्त माह में आयोजित किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण महोत्सव है जिसका सूत्रपात 1950 के दशक में पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक परिवेश के प्रति संवेदनशीलता को अभिव्यक्त करने वाले एक आन्दोलन के रूप मे तत्कालीन कृषि मंत्री कनहया माणिकलाल मुंशी ने किया था। **डॉ. तिवारी** ने इस अवसर पर यह भी कहा कि हमारा संस्थान वानिकी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत है इसलिए अनुसन्धान कार्य के साथ-साथ हमारा यह कर्त्तव्य भी बनता है कि हम लोगों के बीच पेड़ो के कटने से होने वाले नुकसान के प्रति सजगता फ़ैलाने का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर करें। हालाँकि संस्थान आम जनता को वनो के संरक्षण एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का कार्य अपने विस्तार कार्यक्रमो के माध्यम से समय-समय पर करता रहता है परन्तु समय की मांग के अनुसार इस विषय पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर अलग-अलग स्तर पर जागरुकता अभियान भी चलाये जा सकते है। **डॉ. तिवारी** ने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम को प्रोत्साहित करने लिये संस्थान द्वारा विभिन्न संगठनो को निशुल्क पौधों का वितरण भी समय-समय पर किया जाता है।